1 विविधता (Diversity)

विविधता मानव जीवन का एक मूल तथ्य है। हम अपने दैनिक जीवन में विविधता के अनेक रूप देख सकते हैं। लोग अनेक प्रकार से एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। हम वास्तव में एक-दूसरे जैसे दिखाई भी नहीं देते हैं। साथ ही, हमारी बोली जाने वाली भाषा, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, धार्मिक रीति-रिवाजों आदि की दृष्टि से भी हम एक-दूसरे से काफ़ी भिन्न होते हैं।

विविधता का अर्थ (MEANING OF DIVERSITY)

विविधता से अभिप्राय है एक-दूसरे से भिन्न होना। हम अपने आस-पास विभिन्न प्रकार के लोग देखते हैं। उनका पहनावा भी एक-दूसरे से भिन्न होता है। कुछ लोग धोती-कुर्ता पहनते हैं तो

विविधता दिखाते चित्र

कुछ कुर्ता-पायजामा पहनते हैं। वे विभिन्न भाषाएँ बोलते हैं जैसे हिंदी, उर्दू, बंगाली आदि। वे अलग-अलग धर्मों का पालन करते हैं जैसे हिंदू, मुस्लिम, ईसाई आदि। वास्तव में, **विविधता अनेक प्रकार के लोगों अथवा वस्तुओं का एक समूह है जिसमें सभी एक-दूसरे से अनेक प्रकार से भिन्न होते हैं।**

विविधता के सकारात्मक पहलू (POSITIVE ASPECT OF DIVERSITY)

विविधता हमारे जीवन को बहुत कुछ प्रदान करती है। अन्य शब्दों में कहा जा सकता है कि विविधता अनेक प्रकार से हमारे जीवन को समृद्ध बनाती है :

(क) हम अपने से भिन्न लोगों से मित्रता कर सकते हैं। यह हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। हम विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं, जो हमारे सामान्य और रोज खाए जाने वाले भोजन से पूर्णतः अलग हो। साथ ही हम विभिन्न प्रकार के त्योहार मनाकर, भिन्न-भिन्न प्रकार की पोशाकें पहनकर तथा अलग-अलग भाषाएँ सीख कर भी अपने जीवन को आनंदमयी बना सकते हैं।

(ख) विविधता हमारे ज्ञान को बढ़ाती है। जब हम दूसरी भाषा की भी अच्छी कहानी पढ़ते हैं तो बहुत खुश होते हैं, क्योंकि इससे हमें अनेक प्रकार के नए विचार मिलते हैं।

(ग) लेखक भी नई कहानियाँ या पुस्तकें लिखने हेतु इनसे बहुत-से विचार प्राप्त करते हैं। लेखक विभिन्न स्थानों, पुस्तकों तथा जीवन की वास्तविक घटनाओं से प्रेरित होकर नए-नए लेखों की रचना करते हैं। वे मौजूद तथ्यों के आधार पर कल्पना करते हैं।
उदाहरण के लिए 'गीत-गोविंद' की रचना जयदेव ने संस्कृत में की थी। परंतु आज भी देश-भर में नृतक अपनी विभिन्न नृत्य शैलियों में इसका बढ़-चढ़कर प्रयोग करते हैं।

(घ) इसके अलावा हम विभिन्न प्रकार के लोगों, जानवरों और यहाँ तक कि भूतों के संदर्भ में पढ़ना और सुनना भी बहुत पसंद करते हैं।

(ङ) हम अनेक प्रकार की कहानियाँ या पुस्तकें पढ़ते एवं लिखते हैं। ये विभिन्न राजा-रानियों के वास्तविक जीवन, उनकी प्रेम-कथाओं, साहस, जंगलों, युद्धों, मानव एवं पशु मित्रता आदि पर आधारित हो सकती हैं। कहानी कहने या लिखने वाले के लिए एक ही स्थान पर रहकर ऐसी कहानियाँ या पुस्तकें लिख पाना संभव नहीं हो पाता है।

भारत में विविधता (DIVERSITY IN INDIA)

भारत विविधताओं का देश है। भारत के लोग अनेक भाषाएँ बोलते हैं। विभिन्न प्रकार के भोजन करते हैं। अनेक त्योहार मनाते हैं तथा अनेक धर्मों का पालन करते हैं। विश्व में आठ प्रमुख धर्म हैं। भारत में ये सभी धर्म मिलते हैं। हमारे देश में 1600 से भी अधिक भाषाएँ हैं। साथ ही भारत में 100 से भी अधिक नृत्य शैलियाँ प्रचलित हैं।

भारत में विविधता के लक्षण (Characteristics of Diversity in India)

भारत में विविधता के निम्नलिखित लक्षण देखने को मिलते हैं :

विभिन्न भाषाएँ (Different Languages)

भारत के लोग अनेक भाषाएँ बोलते हैं। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 21 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। इनके अलावा भारत में अनेक स्थानीय बोलियाँ भी प्रचलित हैं जो भारत की विविधता को दर्शाती हैं।

अनेक धर्म (Many Religions)

धर्म

भारत के लोगों को कोई भी धर्म अपनाने की पूर्ण स्वतंत्रता है। हिंदू, इस्लाम, बौद्ध, सिख, जैन, ईसाई तथा पारसी आदि भारत के प्रमुख धर्म हैं। इसके अलावा सभी धर्मों में अनेक प्रकार के रीति-रिवाज तथा धार्मिक कृत्यों का पालन किया जाता है।

विभिन्न संस्कृतियाँ (Different Cultures)

संस्कृति किसी समूह विशेष अथवा देश के रीति-रिवाजों, विश्वासों, कला, जीवन-शैली तथा सामाजिक संगठन आदि को दर्शाती है। भारत के लोगों की अनेक सांस्कृतिक पृष्ठभूमियाँ रही हैं।

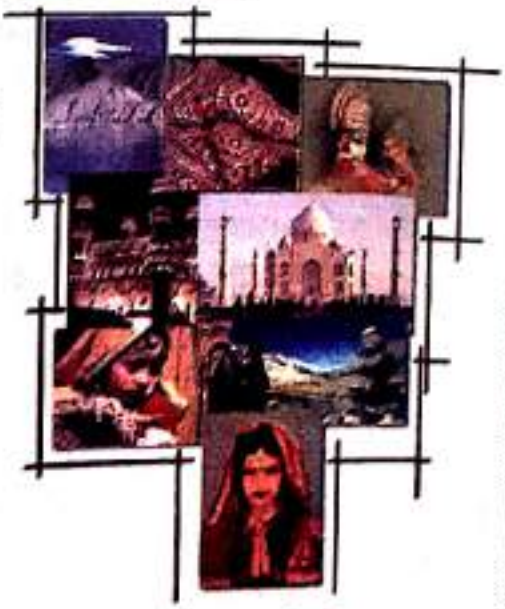

विभिन्न संस्कृतियाँ

त्योहार (Festivals)

होली

त्योहारों का संबंध धर्मों, ऋतुओं, फसलों तथा राष्ट्रीय गौरव आदि से हो सकता है। कुछ त्योहार धर्म पर आधारित होते हैं। दशहरा, दीपावली, होली आदि त्योहार हिंदुओं द्वारा मनाए जाते हैं। जबकि मुस्लिम लोग ईद तथा ईसाई क्रिसमस मनाते हैं। ओणम, पोंगल, गुरु पर्व, बिहू आदि कुछ ऐसे त्योहार हैं जिन्हें स्थानीय स्तर पर मनाया जाता है।

पोंगल

गुरु पर्व

ईद

स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा गांधी जयंती आदि राष्ट्रीय त्योहार हैं जो पूरे देश में मनाए जाते हैं। ये त्योहार विभिन्न स्थानीय और धार्मिक समुदायों द्वारा एक साथ मनाए जाते हैं।

गणतंत्र दिवस

नृत्य एवं संगीत (Dance and Music)

भारत में नृत्य एवं संगीत के क्षेत्रों में भी पर्याप्त विविधता पाई जाती है। भारत में मुख्यत: दो प्रकार के नृत्य प्रसिद्ध हैं : शास्त्रीय तथा लोक नृत्य। शास्त्रीय नृत्य की अनेक शाखाएँ हैं जैसे—उत्तर भारत में कथक, तमिलनाडु में भरतनाट्यम, केरल में कथकली, उड़ीसा में ओडिसी, आंध्र प्रदेश में कुचिपुड़ी तथा मणिपुर में मणिपुरी नृत्य प्रसिद्ध हैं।

भरतनाट्यम

कथकली

ओडिसी

मणिपुरी

जबकि लोक नृत्य साधारण एवं ऋतुओं पर आधारित होते हैं। इसी प्रकार संगीत भी दो प्रकार के होते हैं जैसे—शास्त्रीय तथा लोक संगीत। लोक संगीत प्राय: त्योहारों एवं शादियों में बजाए जाते हैं। फिल्म संगीत भी भारतवर्ष में अत्यधिक प्रसिद्ध है।

कला और शिल्प कला (Art and Sculpture)

भारत में इन्हें भी अनेक रूपों में देखा जा सकता है। ये अधिकांशतया धर्म से संबंधित होती हैं। जैसे—बौद्ध कला, मुगल कला आदि। बौद्ध कला महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित है।

भोजन संबंधी आदतें (Food Habits)

विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की भोजन संबंधी आदतें भी अलग-अलग होती हैं। जैसे—पंजाब के लोग मक्के की रोटी तथा सरसों का साग पसंद करते हैं जबकि बिहार क्षेत्र में लोग लिट्टी तथा चोखा, चूरा व दही आदि पसंद करते हैं।

मक्का की रोटी

लिट्टी और चोखा

पोशाक (Clothes)

भारत में पोशाक या पहनावे की दृष्टि से भी लोगों की पसंद में पर्याप्त विविधता विद्यमान है। परंपरागत हिंदू परिवारों के पुरुष धोती-कुर्ता पहनते हैं तथा स्त्रियाँ साड़ी पहनती हैं। मुस्लिम पुरुष साधारणतया कुर्ता-पायजामा और लुंगी पहनते हैं। वहीं मुस्लिम स्त्रियाँ बुर्का पहनती हैं। इसी प्रकार पंजाबी पुरुष अपने सिर पर पगड़ी धारण करते हैं। देश के विभिन्न राज्यों में पगड़ी पहनने का तरीका अलग-अलग है। पंजाबी स्त्रियाँ सलवार-कमीज तथा दुपट्टा पहनती हैं। गुजरात में स्त्रियाँ लहंगा तथा चोली जबकि केरल में ये मुन्डु तथा ब्लाउज पहनती हैं।

धोती और कुर्ता

लहंगा और चोली

बुर्का

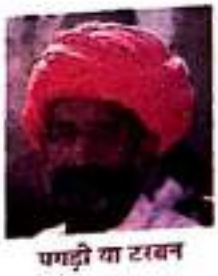

पगड़ी या टरबन

भारत में विविधता के कारण (Reasons for Diversity in India)

आय में असमानता (Inequality of Income)

भारत में लोगों की आय तथा संपत्ति में अत्यधिक असमानता देखने को मिलती है जो विविधता का एक मुख्य कारण है। ऐसी असमानता की स्थिति तब उत्पन्न होती है जब लोगों को एक समान संसाधन एवं अवसर प्राप्त नहीं हो पाते हैं। भारतीय जनसंख्या के एक बहुत बड़े भाग के पास आज भी उपयुक्त भोजन, कपड़े तथा आवास-स्थान नहीं हैं।

जाति-प्रथा (Caste System)

यह सामाजिक असमानता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस प्रथा में समाज के लोगों को उनके कार्यों के आधार पर अलग-अलग वर्गों में बाँटा जाता था। उनकी मान्यता थी कि ये इन्हीं वर्गों में बने रहें।

ऐतिहासिक तथा भौगोलिक कारक भी किसी देश अथवा क्षेत्र की विविधता को प्रभावित करते हैं।

ऐतिहासिक कारक (Historical Factors)

प्राचीन काल में लोग अपने पैरों, घोड़ों, ऊँटों या जहाजों आदि पर सफर करते थे। बाढ़, सूखा और युद्ध के समय नए स्थानों की खोज में ये लोग एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते थे। ये लोग नए व्यापारों तथा कार्यों की तलाश में भी यात्रा करते थे। उस समय लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचने में बहुत अधिक समय लगता था। इसलिए एक बार गंतव्य पर पहुँचने के पश्चात् लोग वहीं बस जाते थे। नए स्थानों पर लोग अपनी जीवन-शैली में थोड़ा बहुत परिवर्तन भी करते थे। ठीक इसी समय वे अपने पुराने तरीके से भी कार्य करते रहते थे। इस प्रक्रिया में उनकी भाषा, भोजन, संस्कृति तथा धर्म आदि पुराने एवं नए का मिश्रण बनकर एक नया रूप धारण कर लेते थे। इस प्रकार उनकी अद्भुत ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के कारण विभिन्न स्थानों में भी पर्याप्त विविधता का समावेश हो गया।

यहाँ तक कि आज भी हम रोजगार, शिक्षा, व्यापार आदि की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं।

भौगोलिक कारक (Geographical Factors)

भौगोलिक कारक भी विविधता को जन्म देते हैं। जैसे मरुस्थलीय क्षेत्रों का रहन-सहन मैदानी क्षेत्रों के रहन-सहन से पूर्णतः भिन्न होता है। भौगोलिक कारक न केवल लोगों के पहनावे तथा भोजन संबंधी आदतों पर प्रभाव डालते हैं बल्कि उनकी कार्यशैली का निर्धारण भी करते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि लोगों की जीवन-शैली उनके भौतिक वातावरण से संबंधित होती है।

केरल (KERALA)

भौगोलिक कारक (Geographical Factors) : केरल राज्य भारत के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित है। यह पूर्व में पश्चिमी घाट तथा पश्चिम में अरब सागर के मध्य स्थित है। इसकी चौड़ाई 35 किमी० से 120 किमी० तक है। भौगोलिक लक्षणों के आधार पर राज्य को पहाड़ी, घाटी, मध्यवर्ती मैदान तथा तटीय मेखला आदि भागों में बाँटा जाता है। केरल में 44 नदियाँ स्थित हैं। यहाँ अनेक सहायक नदियाँ तथा उनकी शाखाएँ स्थित हैं।

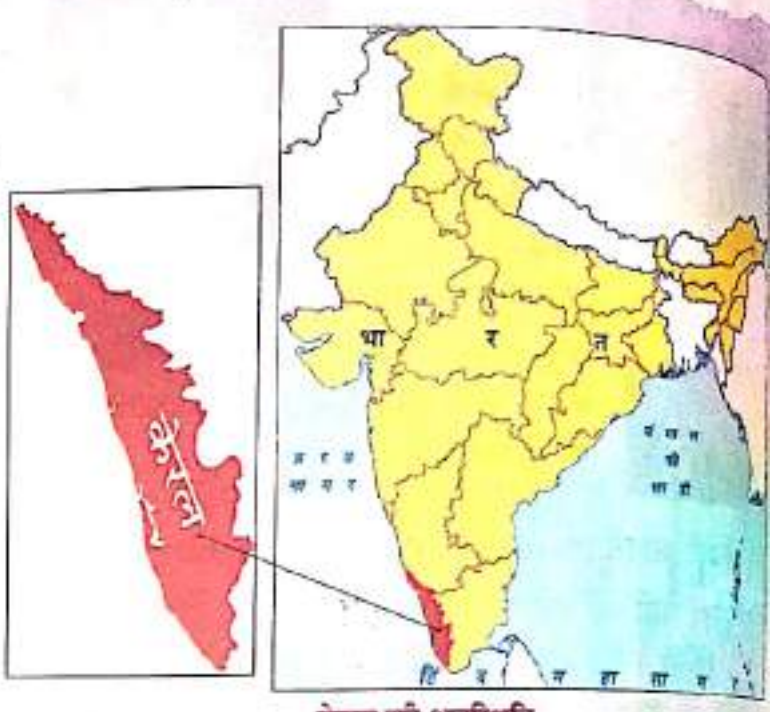

केरल की अवस्थिति

विविध भौगोलिक लक्षणों के फलस्वरूप केरल के पहाड़ी क्षेत्रों में काली मिर्च, लौंग तथा इलायची आदि उगाए जाते हैं। इन मसालों ने केरल को विश्व प्रसिद्ध क्षेत्र बना दिया है। केरल काली मिर्च का एक बड़ा निर्यातक राज्य है। भारत में काली मिर्च के उत्पादन तथा निर्यात में केरल राज्य का एकाधिकार है। केरल नारियल, रबड़, काली मिर्च, इलायची, अदरक, कोको, अखरोट, कॉफी तथा चाय आदि का मुख्य उत्पादक राज्य है।

वास्को डि गामा

ऐतिहासिक कारक (Historical Factors) : मसाला उत्पादक केरल राज्य ने विश्व भर के व्यापारियों को आकर्षित किया। इसी कारणवश यहूदी तथा अरब व्यापारियों ने सर्वप्रथम इस राज्य का भ्रमण किया। इसके पश्चात् लगभग 2000 वर्ष पूर्व सेंट थामॅस, एपोस्टल के क्राइस्ट केरल राज्य में पहुँचे। सेंट थॉमस को भारत में ईसाई धर्म का पिता माना जाता है। इसके अलावा अनेक अरब व्यापारी यहाँ आए और बस गए। पुर्तगाली नाविक वास्को डि गामा ने इंग्लैंड से भारत तक का समुद्री मार्ग खोजा। वह 1498 में कालीकट पहुँचा।

इन कारकों का विविधता पर प्रभाव (Effects of these Factors on Diversity) : इन ऐतिहासिक कारकों के प्रभाव स्वरूप ही आज केरल के लोग यहूदी, इस्लाम, ईसाई, हिंदू तथा बौद्ध आदि अनेक धर्मों का पालन करते हैं।

केरल अनेक रंगीन त्योहारों की भूमि है। इनमें से अनेक हिंदू पुराणों से प्रेरित हैं। ओणम केरल का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। इसका संबंध फसलों की कटाई से है। क्रिसमस एवं ईस्टर मुख्य ईसाई त्योहार है। **मारामोन कन्वेनशन** एशिया में ईसाइयों का सबसे बड़ा जनसमूह है।

तलने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले फिशिंग नेट को चेना-वाला तथा बर्तनों को चीना-चैटी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि चीना (cheena) शब्द चीन से आया है।

ओणम का त्योहार

मछली पकड़ने का चीनी जाल

जम्मू और कश्मीर (लद्दाख) [JAMMU AND KASHMIR (LADAKH)]

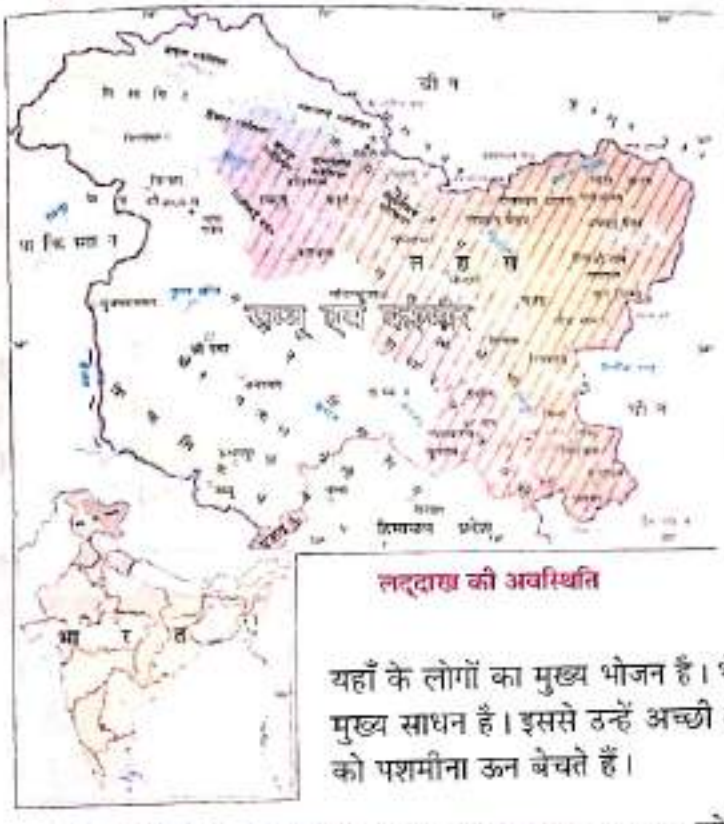

लद्दाख की अवस्थिति

भौगोलिक कारक (Geographical Factors) : भौगोलिक रूप से जम्मू, कश्मीर और लद्दाख का अक्षांशीय विस्तार 32°15'उ० और 37°05'उ० है, जबकि देशांतरीय विस्तार 72°35'पू० और 83°20'पू० है। यहाँ हम मुख्यत: लद्दाख क्षेत्र का अध्ययन करेंगे। लद्दाख जम्मू और कश्मीर क्षेत्र के पूर्वी भाग में स्थित एक शुष्क एवं ठंडा मरुस्थल है। यहाँ वर्षा न के बराबर होती है परंतु पूरे वर्ष यहाँ बर्फ की परत जमी रहती है। इसलिए यहाँ कृषि की संभावना बहुत कम रहती है। यहाँ वृक्ष भी बहुत कम हैं।

लद्दाख की पर्वतीय ढलानों पर बहुत-से चारागाह बने हुए हैं। इसलिए यहाँ के प्रत्येक परिवार द्वारा बकरियाँ, याक, गाय तथा भेड़ आदि पाले जाते हैं। मास तथा दुध से बने पदार्थ जैसे—पनीर तथा मक्खन आदि यहाँ के लोगों का मुख्य भोजन हैं। भेड़ों से प्राप्त पशमीना ऊन यहाँ के लोगों की जीविका का मुख्य साधन है। इससे उन्हें अच्छी आय प्राप्त होती है। लद्दाख के लोग कश्मीरी व्यापारियों को पशमीना ऊन बेचते हैं।

ऐतिहासिक कारक (Historical Factors) : लद्दाख को एक उत्तम व्यापार मार्ग माना गया है। तिब्बत जाने वाले व्यापारी काफिले लद्दाख स्थित पर्वतीय मार्गों का प्रयोग करते थे। इन काफिलों में कपड़ा, मसाले, सिल्क, गलीचे आदि ले जाए जाते थे। ईसा पूर्व तीसरी सदी में अशोक ने कश्मीर में बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार किया। कनिष्क के समय में इस प्रचार को और अधिक बल मिला। लद्दाख के रास्ते होता हुआ बौद्ध धर्म तिब्बत पहुँचा। इसलिए लद्दाख को लघु तिब्बत भी कहा जाता है। 13वीं और 14वीं शताब्दी में कश्मीर में इस्लाम धर्म का आविर्भाव हुआ। जैन-उल-अबेदीन (1420-70) कश्मीर का सर्वप्रमुख मुस्लिम शासक था।

इन कारकों का विविधता पर प्रभाव (Effects of these Factors on Diversity) : लद्दाख में विभिन्न धार्मिक समूहों की उत्पत्ति के लिए ऐतिहासिक कारक उत्तरदायी हैं। लद्दाख के लोग बौद्ध, इस्लाम, हिंदू, ईसाई आदि धर्मों का पालन करते हैं।

यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख अथवा बौद्ध मेले तथा त्योहार आदि पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। लद्दाख गीतों और कविताओं की दृष्टि से भी एक धनी प्रांत है। तिब्बत के राष्ट्रीय महाकाव्य, **केसर सागा** का गान मुस्लिम एवं बौद्ध दोनों ही करते हैं। हालांकि ये ऐतिहासिक एवं भौगोलिक कारक एक-दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। जैसे—केरल के भौगोलिक कारक ही यहाँ के लोगों को मसाले उगाने हेतू प्रोत्साहित करते हैं जो कि देश के ही नहीं बल्कि विश्व के व्यापारियों को भी आकर्षित करते हैं।

इसी प्रकार लद्दाख के भौगोलिक कारक यहाँ के लोगों को पशुपालन तथा पश्मीना ऊन के उत्पादन हेतू प्रोत्साहित करते हैं जो बड़ी संख्या में खरीददारों तथा व्यापारियों को आकर्षित करते हैं। साथ ही लद्दाख क्षेत्र में अनेक व्यापारिक मार्ग स्थित हैं जो यहाँ से गुजरने वाले व्यापारी काफिलों द्वारा प्रयोग में लाए जाते हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि किसी भी क्षेत्र का इतिहास और भूगोल उसकी संस्कृति से घनिष्ठ रूप से जुड़े होते हैं।

व्यापारिक मार्ग से जाते काफिले

हम देख भी चुके हैं कि लद्दाख एवं केरल क्षेत्रों की भौगोलिक पृष्ठभूमि भिन्न है। परंतु दोनों के इतिहास पर समान सांस्कृतिक प्रभाव दृष्टिगोचर होते हैं।

भारत-विविधता में एकता
(INDIA-UNITY IN DIVERSITY)

विविधता से अभिप्राय अलग-अलग परिवेशों से आए लोगों से है जो विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों तथा धार्मिक समूहों से संबंधित है। ये भारतीय परिवेश को अत्यधिक रूचिकर और विविध बनाते हैं। **'विविधता में एकता'** ये शब्द भारत को वर्णित करने के लिए अत्यंत उपयुक्त है। यह पंक्ति पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा लिखी गई थी। उन्होंने अपनी पुस्तक 'भारत की खोज' (Discovery of India) में देश की एकता को दर्शाने हेतू इस पंक्ति का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि भारतीय एकता को किसी बाहरी ताकत के द्वारा थोपा नहीं गया बल्कि भारत में इसकी जड़ें अत्यधिक गहरी हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत में विश्वासों तथा रीति-रिवाजों का बृहत स्तर पर पालन किया जाता है। यहाँ प्रत्येक किस्म के रीति-रिवाजों, धर्मों का पूरा आदर किया जाता है तथा उन्हें पूर्णत: प्रोत्साहित किया जाता है।

जनसभा को संबोधित करते हुए जवाहर लाल नेहरू

वास्तव में देश की विविधता इसकी ताकत का एक प्रमुख स्रोत साबित हुई है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समय सभी भाषाओं, संस्कृतियों, धार्मिक तथा क्षेत्रिय पृष्ठभूमियों के स्त्री-पुरुषों ने मिलकर एक साथ ब्रिटिश उपनिवेशी शासकों का विरोध किया। यद्यपि ब्रिटिश अधिकारी समझते थे कि भारतीयों को उनकी विविधता के आधार पर बाँटकर उन पर शासन किया जा सकता है।

भारत के लोगों ने यह दिखा दिया कि उनमें पर्याप्त विविधता व्याप्त है परंतु आवश्यकता पड़ने पर वे एक हो जाते हैं। स्वतंत्रता के समय सभी परिवेशों के लोगों ने एक साथ योजनाएँ बनाई, एक साथ कार्य किए तथा एक साथ जेल भी गए।

स्वतंत्रता संग्राम के समय, देशभक्ति तथा देश की संस्कृति से संबंधित अनेक कविताएँ, गीत, नाटक तथा चिह्नों आदि की रचना की गई। *उदाहरण के लिए,* भारत के तिरंगे का प्रयोग भारतीयों द्वारा अंग्रेजों के विरोध में किया गया।

अग्रलिखित गीत अमृतसर में हुए जालियाँवाला बाग हत्याकांड के पश्चात् गाया गया, जिसमें अनेक निहत्थे, शांतिप्रिय तथा मासूम लोगों को अंग्रेज अधिकारियों द्वारा मार दिया गया था।

जालियाँवाला बाग नरसंहार

महत्वपूर्ण बिंदु (IMPORTANT POINTS)

- लोग अनेक प्रकार से एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। इसमें उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि, भाषा, धर्म, भोजन, आदतें, वेश-भूषा तथा संस्कृति आदि शामिल होते हैं।
- ऐतिहासिक एवं भौगोलिक कारक किसी क्षेत्र विशेष की विविधता को प्रभावित करते हैं।
- विभिन्न क्षेत्रों का इतिहास यह दर्शाता है कि किस प्रकार उस क्षेत्र की जीवन-शैली एवं संस्कृति विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों की मदद से निर्मित हुई।
- जब लोग स्वयं को किसी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति के अनुरूप ढालते लेते हैं, तब भी विविधता की उत्पत्ति होती है।
- लद्दाखी ऊन ने चीनी व्यापारियों को आकर्षित किया, जबकि केरल के मसालों ने अरब व्यापारियों को आकर्षित किया।
- जब ब्रिटिश अधिकारियों ने भारत पर शासन किया तब देश की विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों तथा क्षेत्रीय परिवेशों के स्त्री-पुरुषों ने एक साथ मिलकर उनका विरोध किया।
- भौगोलिक दृष्टि से केरल एवं लद्दाख एक दूसरे से भिन्न हैं परंतु दोनों के ऐतिहासिक परिवेश पर एक समान सांस्कृतिक प्रभाव दृष्टिगोचर होते हैं। दोनों क्षेत्र चीनी तथा अरब व्यापारियों से प्रभावित रहे थे।
- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अलग-अलग पृष्ठभूमियों के हजारों लोगों ने भाग लिया। उन्होंने एक साथ मिलकर योजनाएँ बनाई, उन पर एक साथ कार्य किए तथा एक साथ मिलकर जेल भी गए। ब्रिटिश अधिकारियों के विरोध हेतू उन्होंने विभिन्न तरीके अपनाए।
- ब्रिटिश अधिकारियों का विचार था कि भारतीयों में अत्यधिक विविधता व्याप्त है जिसके आधार पर उन्हें अलग करके उन पर शासन किया जा सकता है। परंतु देश के लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम में एकजुट रहकर देश की एकता को दर्शाया।
- जालियाँवाला बाग कांड के प्रति अपना रोष प्रकट करने हेतू स्त्री-पुरुष, हिंदू-सिख, मुस्लिम, गरीब और अमीर लोग एक साथ एकत्रित हुए तथा विदेशियों के खिलाफ आंदोलन किए।
- पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भी भारत की विविधता में छुपी एकता की अत्यधिक सराहना की थी।

प्रश्नावली

I. बहुवैकल्पिक प्रश्न (MCQs)

सही विकल्प चुनें

1. *निम्न में से कौन भिन्नता की स्थिति को दर्शाता है?*
   (क) एकता (ख) विविधता (ग) खोज (घ) इनमें से कोई नहीं

2. *विविधता में शामिल विभिन्नताएँ*
   (क) हमारे जीवन को सम्पन्न बनाती है (ख) हमारे लिए हानिकारक है
   (ग) हम पर कोई प्रभाव नहीं डालती (घ) इनमें से कोई नहीं

3. *निम्न में से कौन-सा कारक भारत की विविधता का एक लक्षण है?*
   (क) विभिन्न भाषाएँ (ख) विभिन्न धर्म (ग) विभिन्न संस्कृतियाँ (घ) उपरोक्त सभी

4. *निम्न में से कौन भारत की विविधता का एक कारण है?* HOTS
   (क) आय की असमानता (ख) जाति-प्रथा (ग) ऐतिहासिक कारक (घ) उपरोक्त सभी

5. *विविधता की स्थिति में, ऐतिहासिक तथा भौगोलिक कारक*
   (क) एक दूसरे से अलग होते हैं (ख) एक दूसरे से जुड़े होते हैं
   (ग) मरुस्थलीय क्षेत्रों में अति महत्वपूर्ण होते हैं (घ) इनमें से कोई नहीं

6. *भारत की विविधता हमेशा ही इसकी ..... का स्रोत साबित हुई है?* HOTS
   (क) उच्च आर्थिक विकास (ख) कमजोरी (ग) ताकत (घ) दायित्व

7. *भारत की विविधता में एकता को निम्न में से किसने वर्णित किया?*
   (क) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद (ख) महात्मा गाँधी (ग) पं० जवाहर लाल नेहरू (घ) सुभाष चंद्र बोस

II. अति लघुउत्तरीय प्रश्न

1. विविधता को परिभाषित करें।
2. विविधता हमारे ज्ञान को किस प्रकार बढ़ाती है?
3. भारत एक विविधतापूर्ण देश है क्यों?
4. पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा भारत के लिए प्रयुक्त पंक्ति 'विविधता में एकता' से क्या अभिप्राय है?
5. वास्को डि गामा कौन था?

III. लघुउत्तरीय प्रश्न

1. विविधता से आप क्या समझते हैं?
2. विविधता द्वारा हमारे जीवन को प्रदान की गई किन्हीं दो गुणवत्ताओं का उल्लेख करें।
3. आपके क्षेत्र में मनाए जाने वाले त्योहारों की एक सूची तैयार करें। इनमें से कौन-से त्योहार विभिन्न धार्मिक तथा क्षेत्रीय समुदायों द्वारा मनाए जाते हैं?
4. 'विविधता में एकता' भारत को वर्णित करने वाली एक उपयुक्त पंक्ति है। इस वक्तव्य को तर्कसंगत साबित करें। HOTS
5. जालियाँवाला बाग कांड के विरोध में गाई गई उन पंक्तियों का उल्लेख करें जो सही मायने में देश की एकता को दर्शाती हैं।
6. क्या भौगोलिक तथा ऐतिहासिक कारक एक दूसरे से संबंधित हैं? कैसे ? HOTS
7. आप क्यों सोचते हैं कि विविधता मानव जीवन का एक मूल तथ्य है?

IV. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. किस प्रकार भारत में उसकी कारक समृद्ध विविधता के साथ रहने से, हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है?
2. पं० जवाहर लाल नेहरू ने अपनी पुस्तक "भारत की खोज" में प्रयुक्त पंक्ति "विविधता में एकता" के माध्यम से भारत की इस संदर्भ में क्या कहने की कोशिश है? HOTS
3. किस प्रकार ऐतिहासिक तथा भौगोलिक कारक किसी क्षेत्र विशेष की विविधता को प्रभावित करते हैं? HOTS
4. भारत की विविधता के अनेक लक्षण क्या हैं?
5. भारत की विविधता के प्रमुख कारण क्या हैं?

V. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

1. ऐतिहासिक एवं _____ कारक किसी क्षेत्र की विविधता को प्रभावित करते हैं।
2. लद्दाख की _____ ने चीनी व्यापारियों को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित किया।
3. _____ व्यापारी मसालों के लिए केरल राज्य में आए।
4. भारत के स्वतंत्रता _____ में अलग-अलग परिवेशों के हजारों लोगों ने भाग लिया।
5. _____ हत्याकांड के पश्चात् लोगों ने अपनी असली ताकत का प्रदर्शन किया।

आइए, कुछ और सीखें (कौशल वृद्धि)

परियोजना कार्य (Project Work)

मॉडलिंग क्ले, रेत, मार्बल, पेपर, गत्ते, गार्डन बीज, रंग आदि के प्रयोग द्वारा भारत की स्थापत्य कला और मूर्तिकला जैसे मंदिरों, मस्जि युद्ध कला, चित्रकारी आदि से संबंधित विभिन्न कलाकृतियों को बनाएँ। उन्हें कक्षा के एक कोने में मेज पर एक बड़ी प्लेट में रखकर सज यह कार्य एक सामूहिक परियोजना के अंतर्गत करना चाहिए।

नियत कार्य (Assignment)

मान लीजिए आपको कुछ समय के लिए सिक्किम में रहना पड़े। यहाँ की अपनी जीवन-शैली के संदर्भ में कहानी लिखें तथा चित्र भी बन क्या आपको लगता है कि ऐसी जगह पर आपका जीवन आनंदमयी होगा? ऐसी पाँच अलग-अलग चीजों की सूची तैयार करें जिनकी आ आपको यहाँ रहने पर सर्वाधिक खलेगी।

चित्र अध्ययन (Picture Study)

ये भारत की अलग-अलग नृत्य शैलियाँ हैं :

(क) इन नृत्य शैलियों को पहचानें।

(ख) किन क्षेत्रों में ये नृत्य शैलियाँ मिलती हैं?

(ग) इनमें से प्रत्येक क्षेत्र के एक

(i) प्रसिद्ध भोजन (ii) पोशाक एवं (iii) प्रमुख भाषा का उदाहरण दें।